'or lk= D;k

- राज्य की आर्थिक एवं वित्तीय स्थिति जनता के समक्ष लाना
- विकास की प्रगति व स्तर का वास्तविक आकलन
- श्वेत पत्र से वित्तीय सुदृढीकरण प्रक्रिया आरंभ
- विकास कार्यों के लिए संसाधन जुटाने के सार्थक प्रयास जो षासन का धर्म है, के लिये भी श्वेत पत्र उपयोगी

'or i= fo'y"k.k ifd;k

- राजकोषीय विश्लेषण के लिये 1993–94 से 2003–04 की अवधि
- राष्ट्र में घरेलू उत्पाद संकलन विधि की नई श्रृंखला 1993–94 से प्रारंभ
- राज्य पुनर्गठन पूर्व तथा बाद के आंकड़ों की तुलना में सावधानी
- जनसंख्या के अनुपात (मध्यप्रदेश : छत्तीसगढ़ 485.7:176.2) मे समायोजित (proportionate adjustment)
- मुख्य स्त्रोत म.प्र. के बजट दस्तावेज, वित्त लेखे, योजना दस्तावेज एवं भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा प्रकाशित आंकड़े हैं।

vkfFkd fodkl dh /kheh xfr

- 2002–03 में मध्यप्रदेश का सकल घरेलू उत्पाद देश के अनुपात सिर्फ 3.7% जनसंख्या अनुपात लगभग 6%
- मध्यप्रदेश के आर्थिक विकास दर 3.69%, अखिल भारत औसत 6.57%
- राज्य में गरीबी का वर्तमान स्तर (37.43%) जबकि राष्ट्रीय स्तर (26.1%)

jkT;ksa dh izfr0;fDr vk; ¼ fLFkj Hkko 1993&94½

¼:i;s esa½

jkT;	o"kZ 1993&94	o"kZ 2001&02 ¼Rofjr½	okf"kZd vkSlr o`f) nj
पश्चिम बंगाल	6756	10376	5.51
कर्नाटक	7838	11936	5.4
तमिलनाडु	8943	13055	4.84
गुजरात	9796	14102	4.66
vf[ky Hkkjr	**7690**	**10774**	**4.28**
आन्ध्र प्रदेश	7447	10313	4.15
राजस्थान	6182	8536	4.12
केरल	7938	10832	3.96
हरियाणा	11079	14075	3.04
उड़ीसा	4896	6105	2.8
महाराष्ट्र	12183	15070	2.69
पंजाब	12710	15255	2.31
छत्तीसगढ़	6539	7647	1.98
उत्तरप्रदेश	5066	5885	1.89
e/;izns'k	**6584**	**7635**	**1.87**
बिहार	3037	3399	1.42

xjhch j[kk d uhp dh tul[;k

¼izfr'kr e½

Ø-	jkT;	1993-1994			1999-2000		
		ग्रमीण	नगरीय	;ksx	ग्रमीण	नगरीय	;ksx
1	पंजाब	11.95	11.35	**11.77**	6.35	5.75	**6.16**
2	हरियाणा	28.02	16.38	**25.05**	8.27	9.99	**8.74**
3	केरल	25.76	24.55	**25.43**	9.38	20.27	**12.72**
4	गुजरात	22.81	27.03	**24.21**	13.17	15.59	**14.07**
5	राजस्थान	26.46	30.49	**27.41**	13.74	19.85	**15.28**
6	आन्ध्रप्रदेश	15.92	38.33	**22.19**	11.05	26.63	**15.77**
7	कर्नाटक	29.88	40.14	**33.16**	17.38	25.25	**20.04**
8	तमिलनाडु	32.48	39.77	**35.03**	20.55	22.11	**21.12**
9	महाराष्ट्र	37.93	35.15	**36.86**	23.72	26.81	**25.02**
10	vf[ky Hkkjr	**37.27**	**32.36**	**35.97**	**27.09**	**23.62**	**26.1**
11	पश्चिम बंगाल	40.8	22.41	**35.66**	31.85	14.86	**27.02**
12	उत्तरप्रदेश	42.28	35.39	**40.85**	31.22	30.89	**31.15**
13	आसाम	45.01	7.73	**40.86**	40.04	7.47	**36.09**
14	e/; izn'k	**40.64**	**48.38**	**42.52**	**37.06**	**38.44**	**37.43**
15	बिहार	58.21	34.5	**54.96**	44.3	32.91	**42.6**
16	उड़ीसा	49.72	41.64	**48.56**	48.01	42.83	**47.15**

eUFkj xfr l jktLo of}

- वर्ष 1993–94 में कुल प्राप्तियों का 81.94% राजस्व प्राप्तियों से – वर्ष 2003–04 में यह घटकर 65.67%
- केन्द्रीय करों के अंतरण में वर्ष 1996–97 तक लगातार वृद्धि 1997–98 के बाद उतार–चढ़ाव
- केन्द्रीय योजना घटक भी वर्ष 2000–01 तक लगभग स्थिर बना रहा ।
- राजस्व प्राप्तियों के अतिरिक्त अन्य मुख्य स्रोत ऋण,
- राज्य की ऋण पर निर्भरता इस दौरान बढ़ी

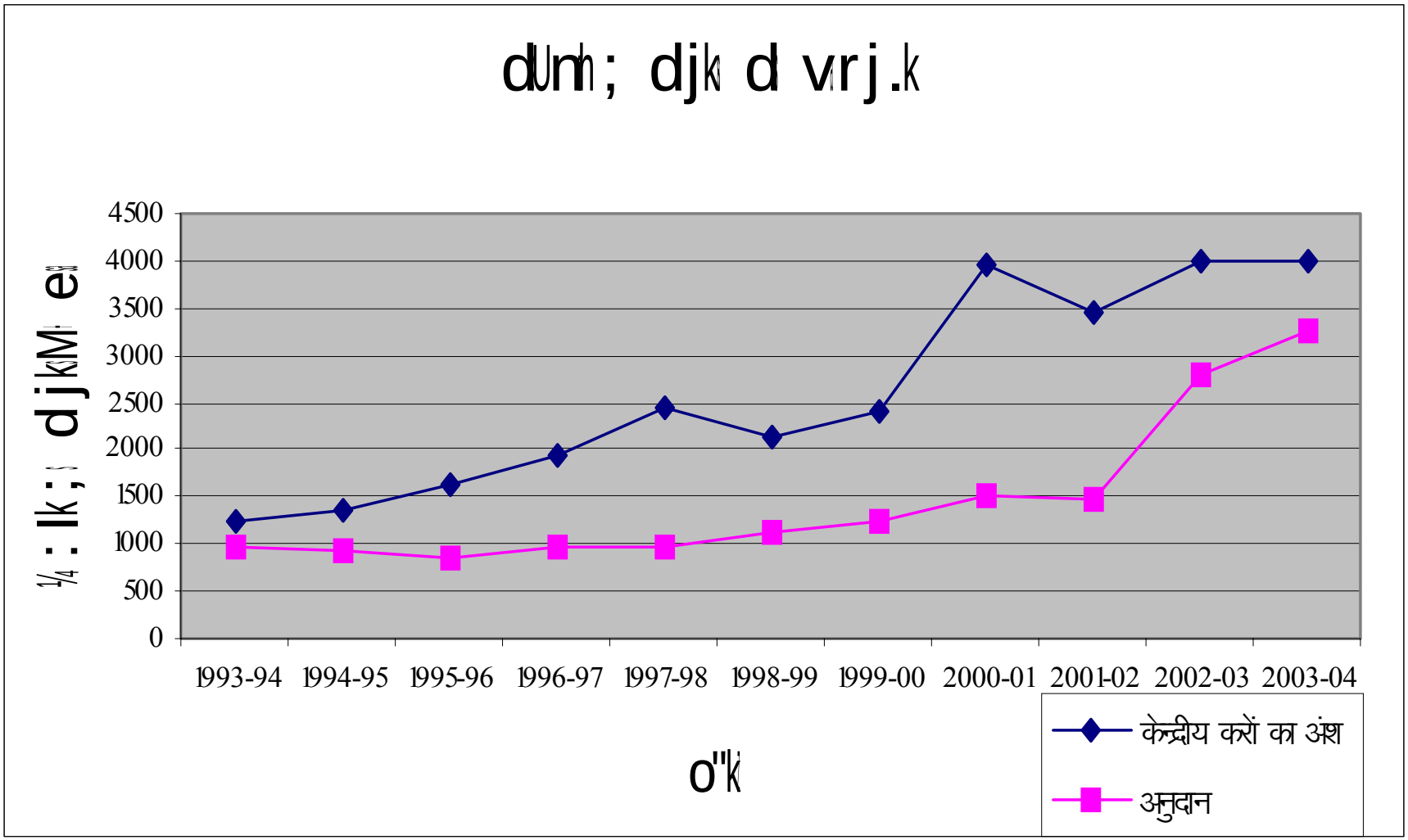

4500
4000
3500
3000
2500
2000
1500
1000
500
0
1993-94
1994-95
1995-96
1996-97
1997-98
1998-99
1999-00
2000-01
2001-02
2002-03
2003-04
केन्द्रीय करों का अंश
अनुदान

i:thxr 0;; dk de fgLlk

- शासन की प्राप्तियों का अधिकांश व्यय गैर–पूंजीगत व्यय
- तीव्र अद्योसंरचना विकास एवं व्यय की गुणवत्ता की दृष्टि से राजस्व व्यय सीमित रखना अनिवार्य
- राजस्व व्यय में मुख्य
  - –कर्मचारियों के वेतन तथा पेंशन पर व्यय
  - –विभिन्न संस्थाओं, स्थानीय निकायों को अनुदान
  - –ब्याज

vk;kstuk rFkk vk;kstusRrj O;;

o"kZ@en	vk;kstuk	vk;kstusRrj	;ksx
1993-94	31.38	68.62	100
1994-95	32.8	67.2	100
1995-96	31.51	68.49	100
1996-97	29.17	70.83	100
1997-98	31.51	68.49	100
1998-99	24.15	75.85	100
1999-00	22.92	77.08	100
2000-01	24.8	75.2	100
2001-02	26.23	73.77	100
2002-03	36.77	63.23	100
2003-04	27.19	72.81	100

izeq[k jkT;ksa dk fodkl rFkk xSj & fodklkRed O;;

jkT;	fodklkRed O;; dk izfr'kr		xSj fodklkRed O;; dk izfr'kr	
	2000&2001	2001&2002 ¼iq- v-½	2000&2001	2001&2002 ¼iq- v-½
vkU/kz izns'k	68.03	67.55	31.97	32.45
fcgkj	61.77	55.37	38.23	44.63
NRrhlx<+	71.78	68.41	28.22	31.59
xqtjkr	75.83	73.97	24.17	26.03
gfj;k.kk	64.1	64.55	35.9	35.45
dukZVd	69.43	67.85	30.57	32.15
dsjy	56.49	57.23	43.51	42.77
e/; izns'k	66.28	69.57	33.72	30.43
egkjk"Vª	66.93	58.25	33.07	41.75
mM+hlk	59.69	53.52	40.31	46.48
iatkc	50.48	49.45	49.52	50.55
jktLFkku	60.71	59.77	39.29	40.23
rfeyukMq	62.43	61.54	37.57	38.46
mRrj izns'k	55.27	56.98	44.73	43.02
if'pe caxky	61.45	58.99	38.55	41.01
vf[ky Hkkjr	**63.91**	**62.2**	**36.09**	**37.8**

c<rk ykd _.k

- 1990 के दशक के मध्य से लोक ऋण में लगातार वृद्धि
- वर्ष 1993-1994 में लोक ऋण केवल रू. 6927.63 करोड़ था, 2004 तक रूपये 32,762 करोड़ होने की संभावना
- वर्ष 1994 में प्रति व्यक्ति ऋण रू. 650 था जो अब बढ़कर रू. 5180 होने की संभावना
- लोक ऋण : सकल घरेलू उत्पाद अनुपात 2002–03 में 36.41%

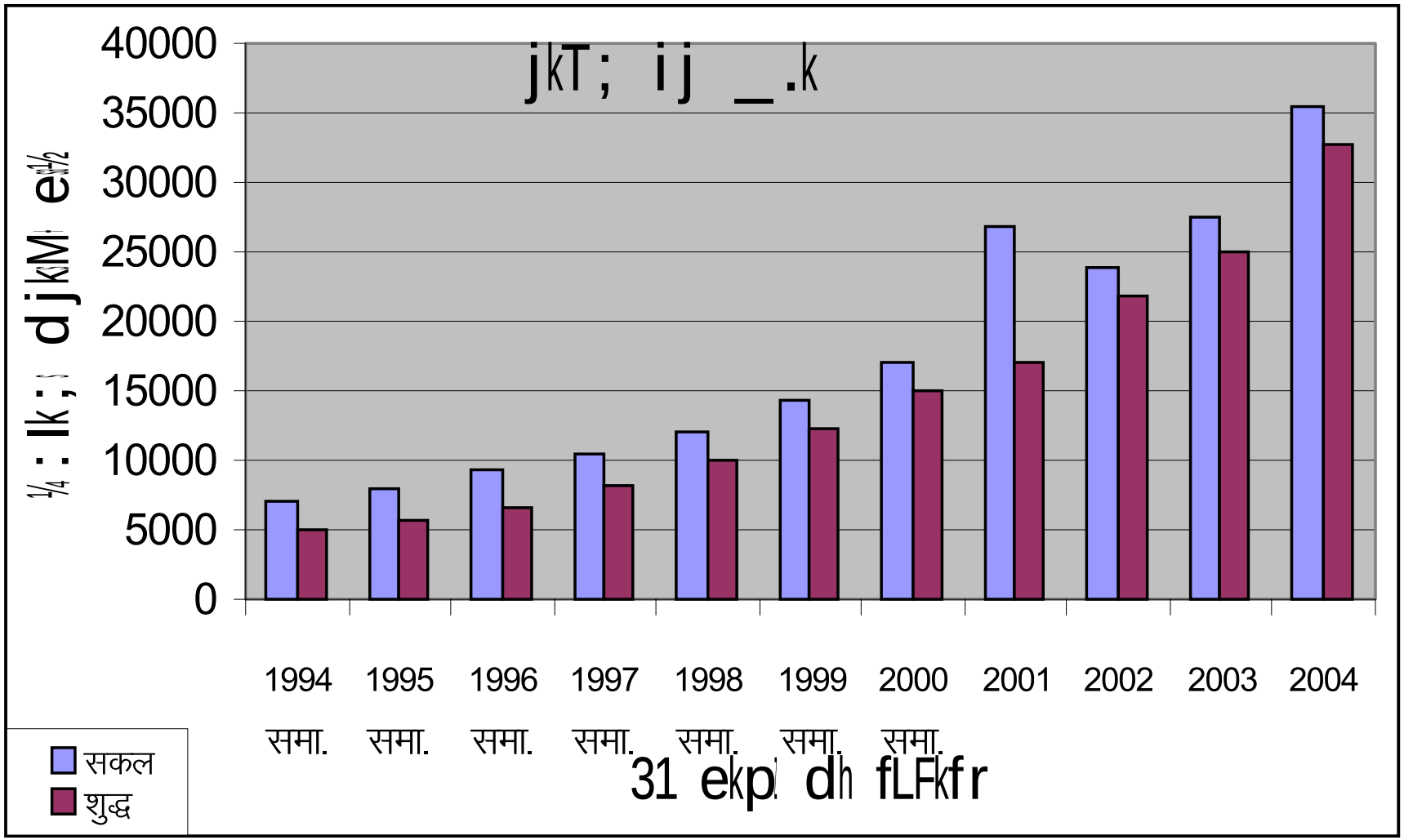

40000
35000
30000
25000
20000
15000
10000
5000
0
1994
1995
1996
1997
1998
1999
2000
2001
2002
2003
2004
समा.
समा.
समा.
समा.
समा.
समा.
समा.
सकल
शुद्ध

_.k dgk x;k !

- लोक ऋणों का अधिकांश भाग गैर&ithxr व्यय (राजस्व घाटे की भरपाई), ऋण तथा अग्रिम और अन्य अनुत्पादक सेवाओं पर खर्च किया जाता है
- ऋण विकास के कार्यों में व्यय नहीं किया गया, वल्कि उसे अधिकांषतः गैर–विकास कार्यों में ही उपयोग
- परियोजना ऋणों का अपेक्षित गति से उपयोग न करने से परियोजना लागत एवं अवधि दोनों में वृद्धि हुई है।

_.k dgk¡ x;k !

o"kZ@en ¼djksM+ #i;ks esa½	'kq) _.k	iwathxr 0;;	_.k esa iwathxr 0;; dk izfr'kr
1993-94	1061.67	807.39	76.05
1993-94 (lek-)	779.04	592.46	76.05
1997-98	2108.1	1677.8	79.59
1997-98 (lek-)	1546.91	1231.16	79.59
1999-00	3975.63	950.07	23.9
1999-00 (lek-)	2917.3	697.15	23.9
2000-01	2721.09	1110.51	40.81
2001-02	4529.98	1470.64	32.46
2002-03	3611.08	2448.47	67.8
2003-04	7799.69	2930.16	37.57

vkf[kj fdruk _.kHkkj !

- ऋण के कारण ब्याज राषि के भुगतान में भी अत्यधिक वृद्धि
- वर्ष 2003–04 ब्याज व्यय लगभग रूपये 3400 करोड़ होने की संभावना
- वर्ष 1993–94 में ब्याज (रूपये 868 करोड़) राजस्व प्राप्तियों का मात्र 12%, वर्ष 2003–04 में बढ़कर 23% होने की संभावना
- 11ok foRr vk;ksx के अनुसार ब्याज : राजस्व अनुपात 18 % तक
- ऋण % सकल राजस्व प्राप्तियों का अनुपात वर्ष 2003–04 में 221.9%
- Hkkjr ljdkj के अनुसार ऋण % सकल राजस्व प्राप्तियों का अनुपात वर्ष 2003–04 में 166.40% तक

foRrh; ?kkVs

o"k@dkjd	jkt Lo ?kkVk	foRrh; ?kkVk	ikFkfed ?kkVk
1993-94	0.85	1.86	0.22
1997-98	0.58	2.47	0.42
1999-00	2.87	3.83	1.74
2000-01	1.48	3.05	0.34
2001-02	3.9	4.49	1.71
2002-03	1.41	4.89	1.88
2003-04	5.78	9.43	5.64

Lk/kkj dh fn'kk

- सुदृढ वित्तीय व्यवस्था ही राज्य की अर्थव्यवस्था एवं समाज के स्वावलम्बी विकास का आधार
- बढी ब्याज दरों में वृद्धि के परिदृश्य में वित्तीय सुदृढ़ीकरण की आवश्यकता
- भारत शासन, रिजर्व बैंक, एवं अन्य विकास संस्थाओं के द्वारा राज्यों को सहायता देते समय वित्तीय सुदृढ़ीकरण पर बल
- आगामी समय में इस दिशा में सार्थक प्रयास आवश्यक
- राज्य का भावी विकास इन प्रयासों पर निभर रहेगा।